



# भारत का राजपत्र The Gazette of India.

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 198] नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 23, 1965/पौषा 2, 1887

No. 198] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 23, 1965/ PAUSA 2, 1887

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर, 1965

जी० एस० आर० 1890—कायर उद्योग अधिनियम, 1953 (1953 की 45वीं), की धारा 26 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करती हुई केन्द्रीय सरकार कायर उद्योग (रजिस्ट्रेशन और लाइसेंसिंग) नियम, 1958, जिसका प्रकाशन पहले ही उक्त खण्ड के उप-खण्ड (1) के अन्तर्गत कर दिया गया है ; में और भाग संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम, सुरक्षित भाग होने के लिये बनाती है :—

नियम

1. ये नियम कायर उद्योग (रजिस्ट्रेशन और लाइसेंसिंग) चतुर्थ संशोधन नियम 1958 कहें जायेंगे ।

2. कायर उद्योग (रजिस्ट्रेशन और लाइसेंसिंग) नियम, 1958 के नियम 19—

(1) के खण्ड (2) में—

(क) उप-खण्ड (क) में, “पच्चीस मी० टन” शब्दों के स्थान पर, “एक सौ मी० टन” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाये ;

(ख) उप-खण्ड (ख) में, “एक सौ मी० टन” शब्दों के स्थान पर, “पांच सौ टन” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाये ;

(2) के खण्ड (2) में—

(क) उप-खण्ड (क) में, “पच्चीस मी० टन” शब्दों के स्थान पर, “एक सौ पचास मी० टन” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाये ;

(ख) उप-खण्ड (ख) में, “एक सौ मी० टन” शब्दों के स्थान पर, “सात सौ पचास मी० टन” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाये ।

[सं० 21(1)/65-टैक्स (ई)]

ए० बी० वेंकटेश्वरन, संयुक्त सचिव ।